

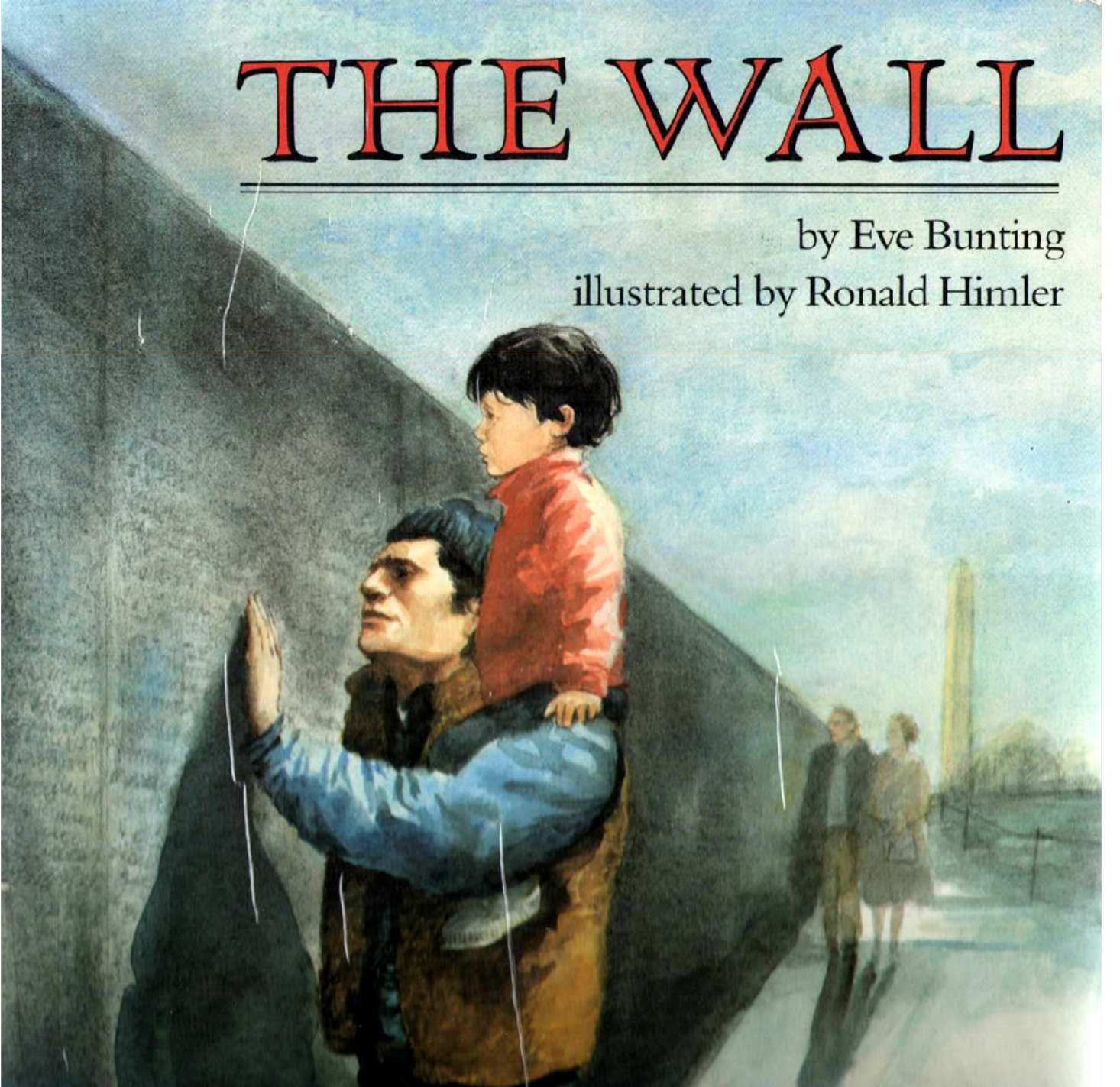
दीवार

ईव बनटिंग, चित्र : रोनाल्ड हिमलर

हिंदी : विदूषक

THE WALL

by Eve Bunting
illustrated by Ronald Himler

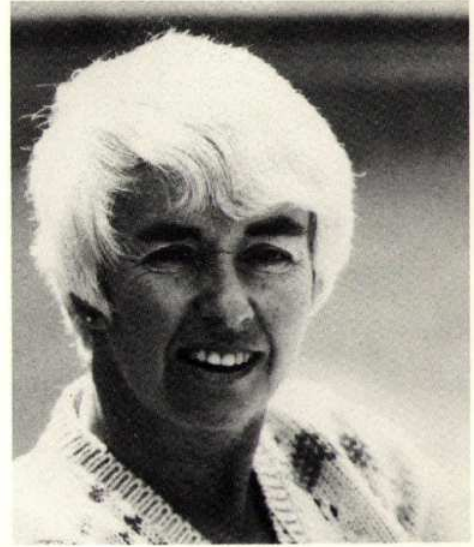


THE WALL

*This is the wall, my grandfather's wall.
On it are the names of those killed in a war,
long ago.*

So begins the story of a little boy and his father. They've come from far away to visit the Vietnam Veterans Memorial in Washington and find the name of the boy's grandfather. Other visitors pass by, searching for the names of their loved ones. Finally, the father's fingers stop moving along the wall. "Here he is," he says.

This restrained yet moving picture book deals with the lasting impact of the Vietnam War. It's a good story for Memorial Day, Veterans Day, or any other day when children and grown-ups are thinking about war and its consequences.



Christine Bunting

Eve Bunting has written a wide range of picture books for Clarion, from the humorous *No Nap* to the touching *The Mother's Day Mice* to the serious *How Many Days to America?*. She lives in Pasadena, California.

Ronald Hirlaler has illustrated two other Clarion books: Carla Stevens' pioneer story, *Trouble for Lucy*, and *Someday Rider* by Ann Herbert Scott. Mr. Hirlaler lives in Tucson, Arizona.

दीवार

यह दीवार है - मेरे दादाजी की दीवार. उस दीवार पर उन सैनिकों के नाम दर्ज हैं जो बरसों पहले युद्ध में शहीद हुए थे. यह कहानी एक लड़के और उसके पिताजी से शुरू होती है. वो लोग बहुत दूर से वियतनाम युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में बने स्मारक को देखने आये हैं. बहुत मुश्किल के बाद उन्हें लड़के का दादाजी का नाम दिखाई पड़ता है. वहां कई और भी लोग आए हैं जो अपने प्रियजनों के नाम खोज रहे हैं. कुछ देर बाद पिताजी की ऊंगली दीवार पर चलना बंद हो जाती है. "देखो यह रहा दादाजी का नाम," वो कहते हैं.

वियतनाम युद्ध में हजारों अमरीकी सैनिक शहीद हुए थे. यह मार्मिक किताब बच्चों और बड़ों को युद्ध की त्रासदी और वहशियत की याद दिलाती है.

ईव बनटिंग ने बड़ी संवेदना से बच्चों की अनेकों किताबें लिखी हैं. उनकी किताबें बच्चों में युद्ध से नफरत करना सिखाती हैं और उनके हृदय में शांति के बीज बोती हैं.

रोनाल्ड हिमलर बच्चों की पुस्तकों के जाने-माने चित्रकार हैं.

दीवार

ईव बनटिंग, चित्र : रोनाल्ड हिमलर

हिंदी : विदूषक

THE WALL

by Eve Bunting
illustrated by Ronald Himler



Clarion Books

New York





This is the wall, my grandfather's wall. On it are the names of those killed in a war, long ago.

"Where is Grandpa's name?" I ask.

"We have to find it," Dad says.

He and I have come a long way for this and we walk slowly, searching.

यह दीवार है – मेरे दादाजी की दीवार. इस दीवार पर उन लोगों के नाम लिखे हैं जो बहुत पहले युद्ध में शहीद हुए थे.

"यहाँ दादाजी का नाम कहाँ है?" मैंने पूछा.

"हमें उसे खोजना होगा," पिताजी ने कहा.

इस काम के लिए हम बहुत दूर से आये हैं. अब हमें धीमे-धीमे चलते हुए दादाजी के खुदे नाम को दीवार पर खोजना होगा.



The wall is black and shiny as a mirror. In it I can see Dad and me.

दीवार एकदम चिकनी है और आईने जैसे चमक रही है. उसपर मैं पिताजी और खुद के प्रतिबिम्ब को देख सकता हूँ.



I can see the bare trees behind us and the dark, flying clouds.

मुझे पीछे के पेड़ और आसमान में मंडलाते काले बादल भी दीवार पर दिखाई देते हैं.





A man in a wheelchair stares at the names.
He doesn't have legs.

I'm looking, and he sees me looking and
smiles.

"Hi, son."

"Hi."

His hat is a soft, squashed green and there
are medals on it. His pant legs are folded back
and his shirt is a soldier's shirt.

व्हीलचेयर पर एक आदमी लगातार दीवार के नामों को घूर रहा है।

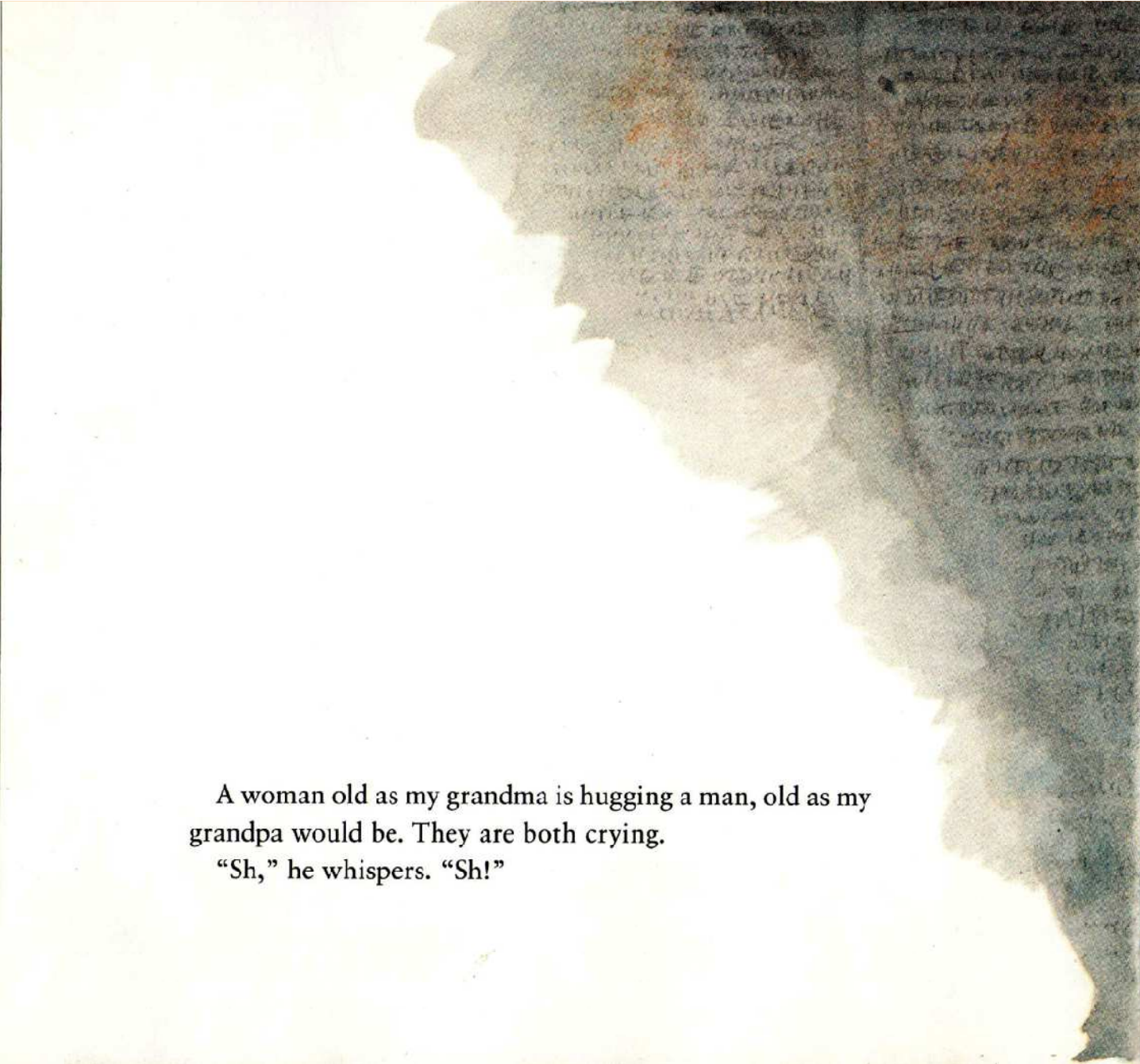
उस आदमी के पैर नहीं हैं।

मैं उसकी ओर देखता हूँ और फिर वो मुझे देख कर मुस्कुराता है।

"हेलो, बेटा।"

"हेलो," मैं कहता हूँ।

वो हरे रंग एक एक मुलायम टोपी पहने है और उसकी यूनिफार्म से कई
मेडल्स लटके हैं। उसकी पतलून के पैर पीछे को मुड़े हैं। वो एक फौजी की
कमीज़ पहने है।

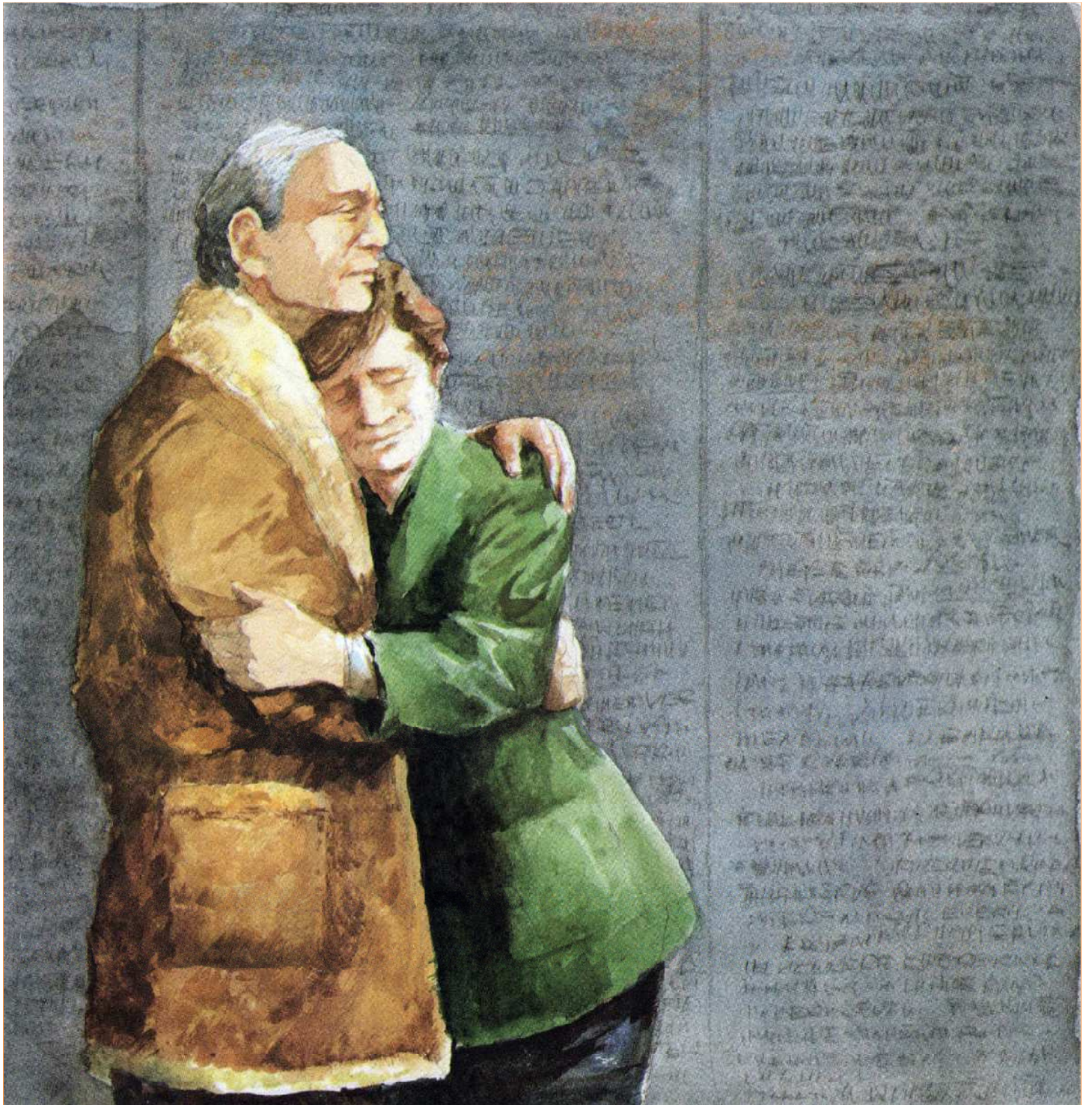


A woman old as my grandma is hugging a man, old as my grandpa would be. They are both crying.

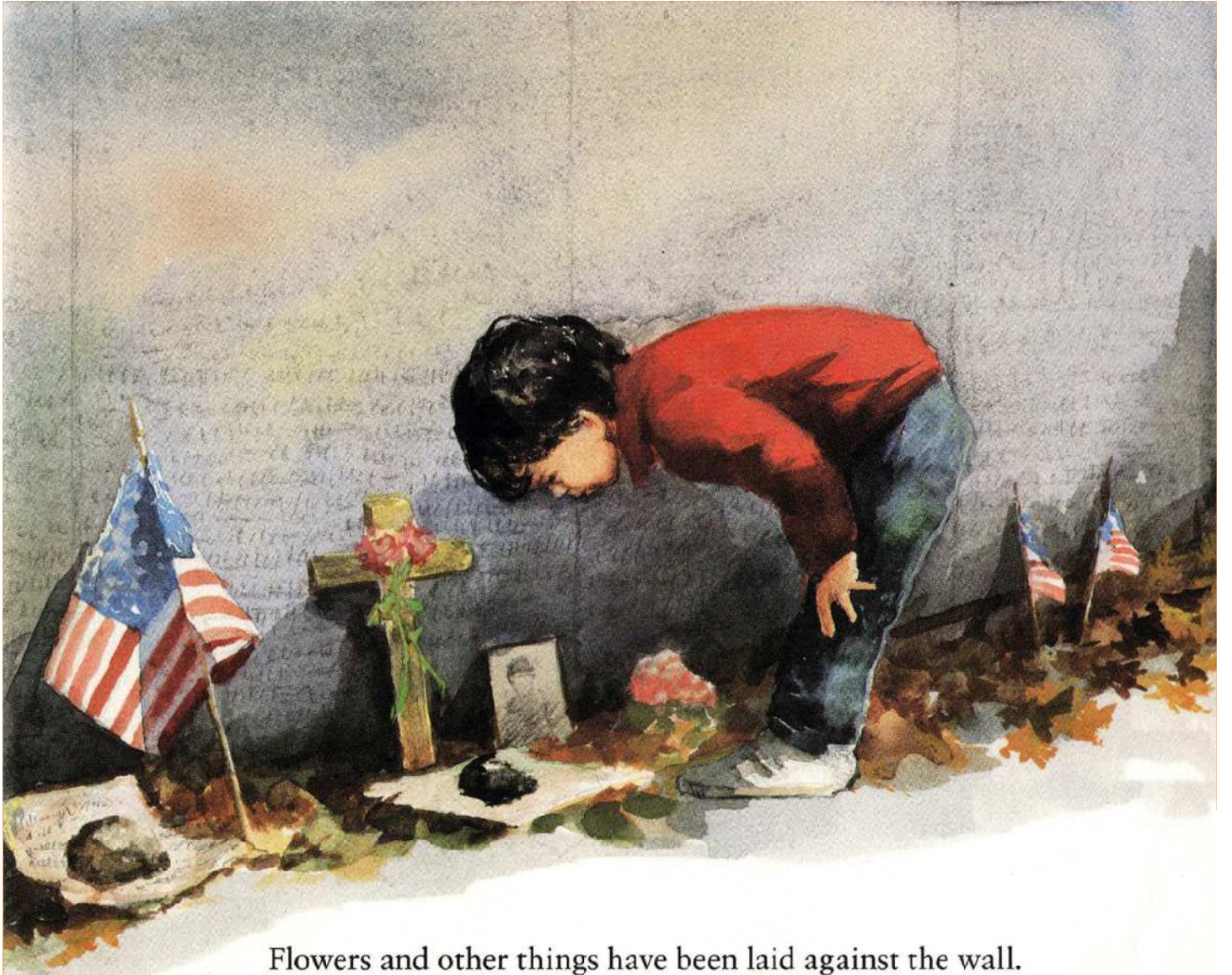
“Sh,” he whispers. “Sh!”

मेरी दादी जितनी बूढ़ी औरत एक आदमी को गले लगाये है. वो आदमी मेरे दादाजी की उम्र का होगा. दोनों मिलकर बस रो रहे हैं.

“चुप रहो,” वो हल्के से फुसफुसाता है. “बिलकुल चुप!”



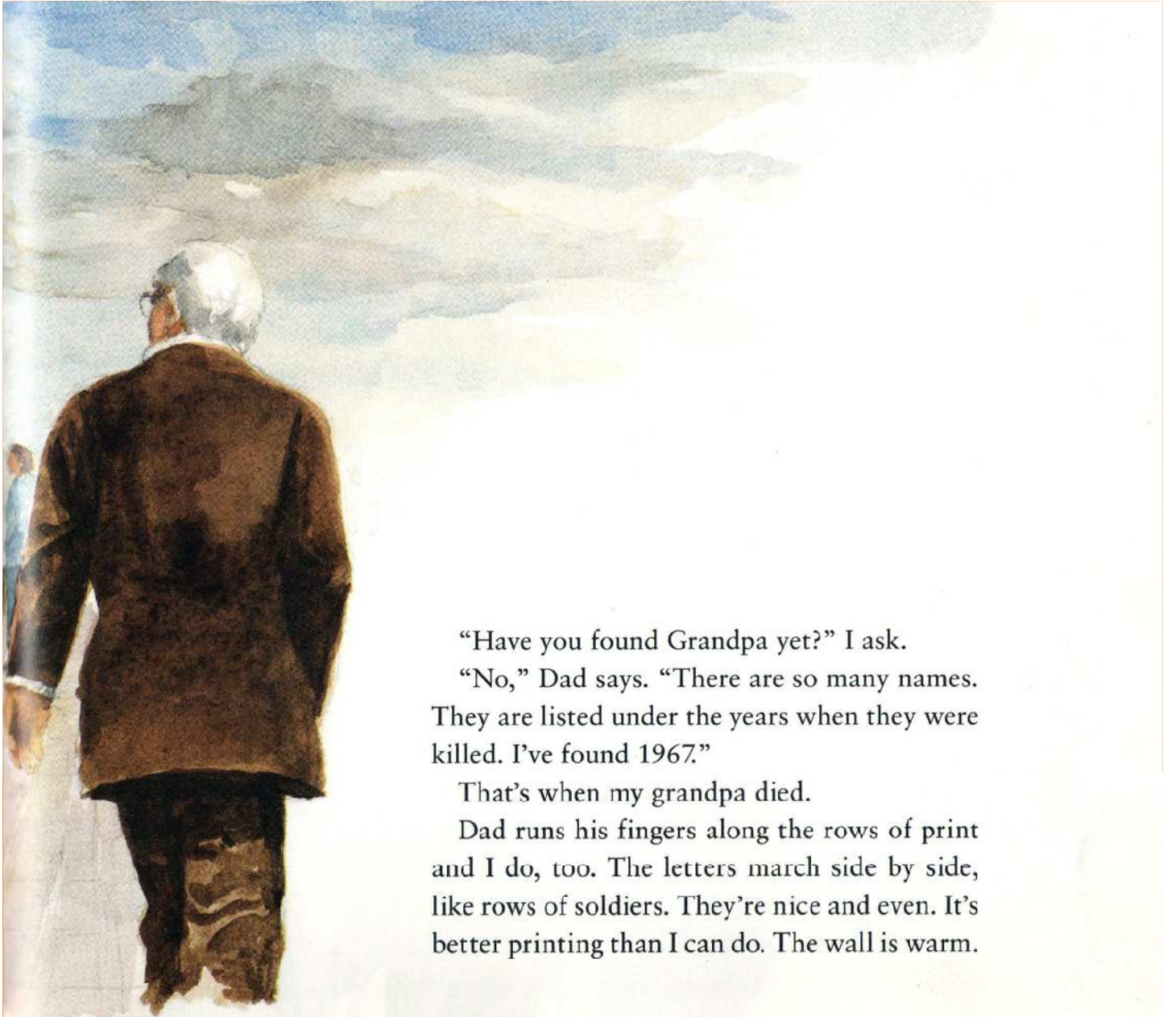




Flowers and other things have been laid against the wall.
There are little flags, an old teddy bear, and letters,
weighted with stones so they won't blow away. Someone
has left a rose with a droopy head.

दीवार के सहारे फूलों के साथ-साथ और कई चीज़ें टिकी हैं।
वहां छोटे-छोटे झंडे हैं, एक पुराना टेडी-बेयर है और पुराने
पत्रों के ऊपर पत्थर रखे हैं, जिससे वो उड़ न जाएँ। कोई वहां
एक एकलौता गुलाब छोड़ गया है जिसकी पंखुडियां अब
मुरझाने लगी हैं।





“Have you found Grandpa yet?” I ask.

“No,” Dad says. “There are so many names. They are listed under the years when they were killed. I’ve found 1967.”

That’s when my grandpa died.

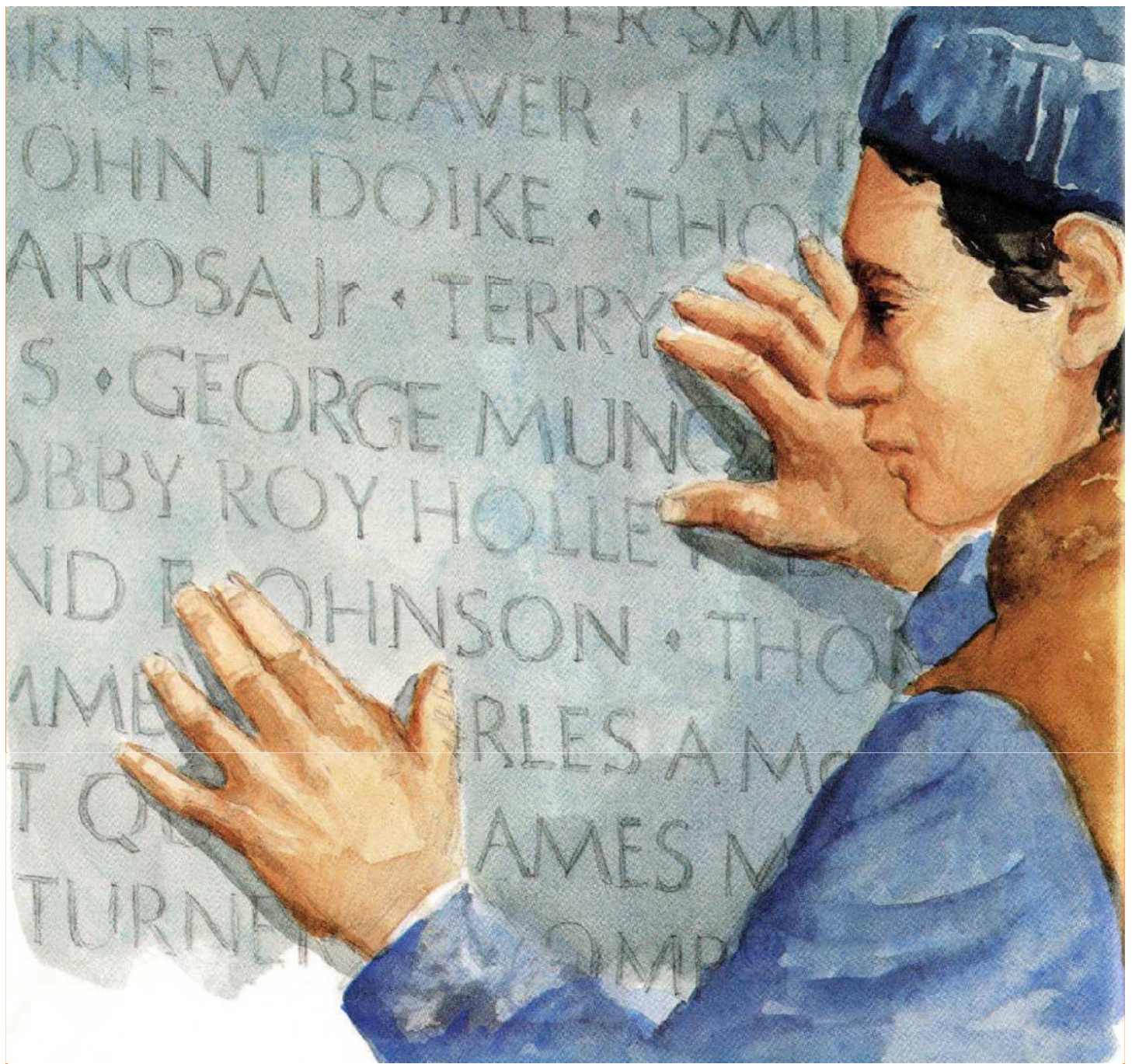
Dad runs his fingers along the rows of print and I do, too. The letters march side by side, like rows of soldiers. They’re nice and even. It’s better printing than I can do. The wall is warm.

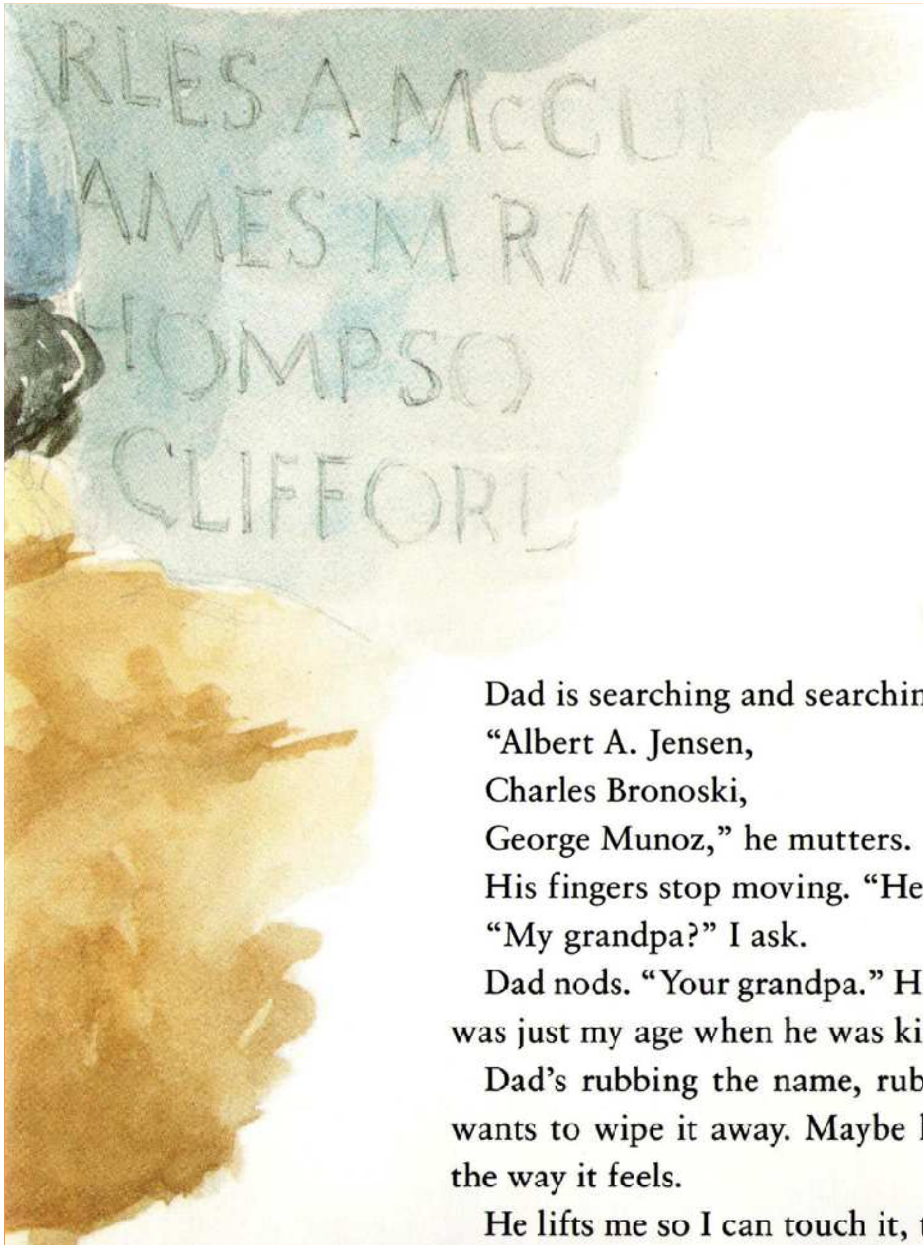
“क्या आप दादाजी के नाम को खोज पाए?” मैंने पूछा.

“न,” पिताजी ने उत्तर दिया. “यहाँ पर हजारों नाम हैं. मृत्यु के साल के हिसाब से उन्हें सूचियों में डाला गया है. अब तक मैं 1967 ही खोज पाया हूँ.”

यह वो साल था जब दादाजी की मृत्यु हुई थी.

पिताजी खुदे अक्षरों पर अपनी ऊँगली दौड़ाते हैं. मैं भी वही करता हूँ. खुदे अक्षर किसी फौजी टुकड़ी के सैनिकों जैसे बढ़ते ही जाते हैं. सभी अक्षर एक नाप के हैं. मैं कभी भी इतने सुन्दर अक्षर नहीं लिख पाता. दीवार छूने पर गरम महसूस होती है.





Dad is searching and searching.

“Albert A. Jensen,

Charles Bronoski,

George Munoz,” he mutters.

His fingers stop moving. “Here he is.”

“My grandpa?” I ask.

Dad nods. “Your grandpa.” His voice blurs. “My dad. He was just my age when he was killed.”

Dad’s rubbing the name, rubbing and rubbing as if he wants to wipe it away. Maybe he just wants to remember the way it feels.

He lifts me so I can touch it, too.

पिताजी बड़ी मेहनत से नाम की खोजबीन कर रहे हैं।

“अल्बर्ट ए. जेन्सेन,

चार्ल्स ब्रोनोसकी,

जॉर्ज मुनोज़,” वो नाम पढ़ते हुए बुदबुदाते हैं। “देखो यह रहा नाम।”

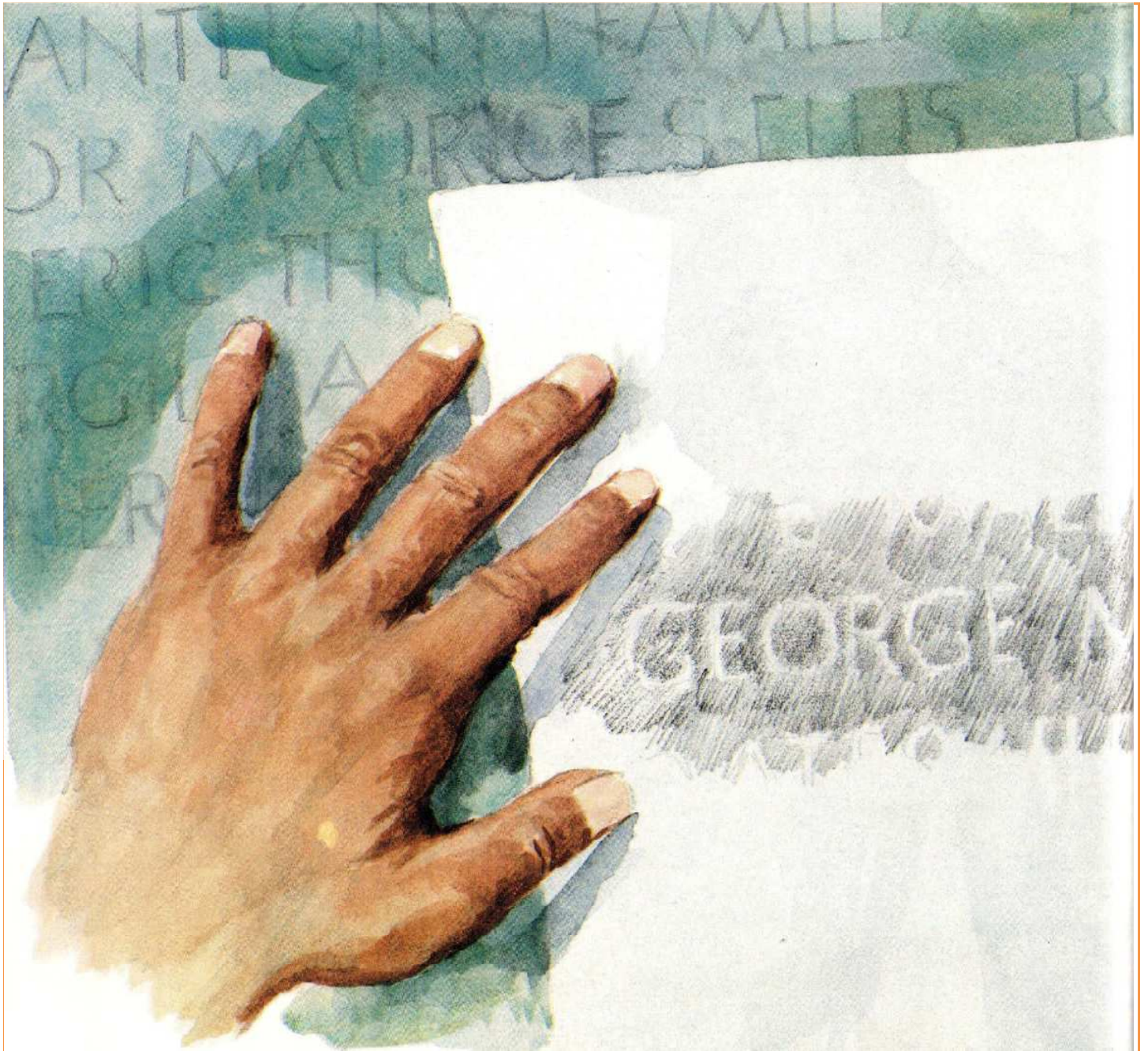
पिताजी अपना सर हिलाते हैं। “तुम्हारे दादाजी का नाम।” उनकी आवाज़ लड़खड़ाती है। “मेरे

पिताजी। जब उनकी मृत्यु हुई तो वो बस मेरी ही उम्र के थे।”

पिताजी उस खुदे नाम पर बार-बार अपनी ऊँगली चलाते हैं जैसे की वो उसे सदा के लिए

मिटाना चाहते हों। शायद वो उन खुदे अक्षरों को अपने ज़हन में सदा के लिए अंकित करना चाहते हों।

पिताजी मुझे गोद में लेकर ऊपर उठाते हैं जिससे मैं भी उन अक्षरों को छू सकूँ।



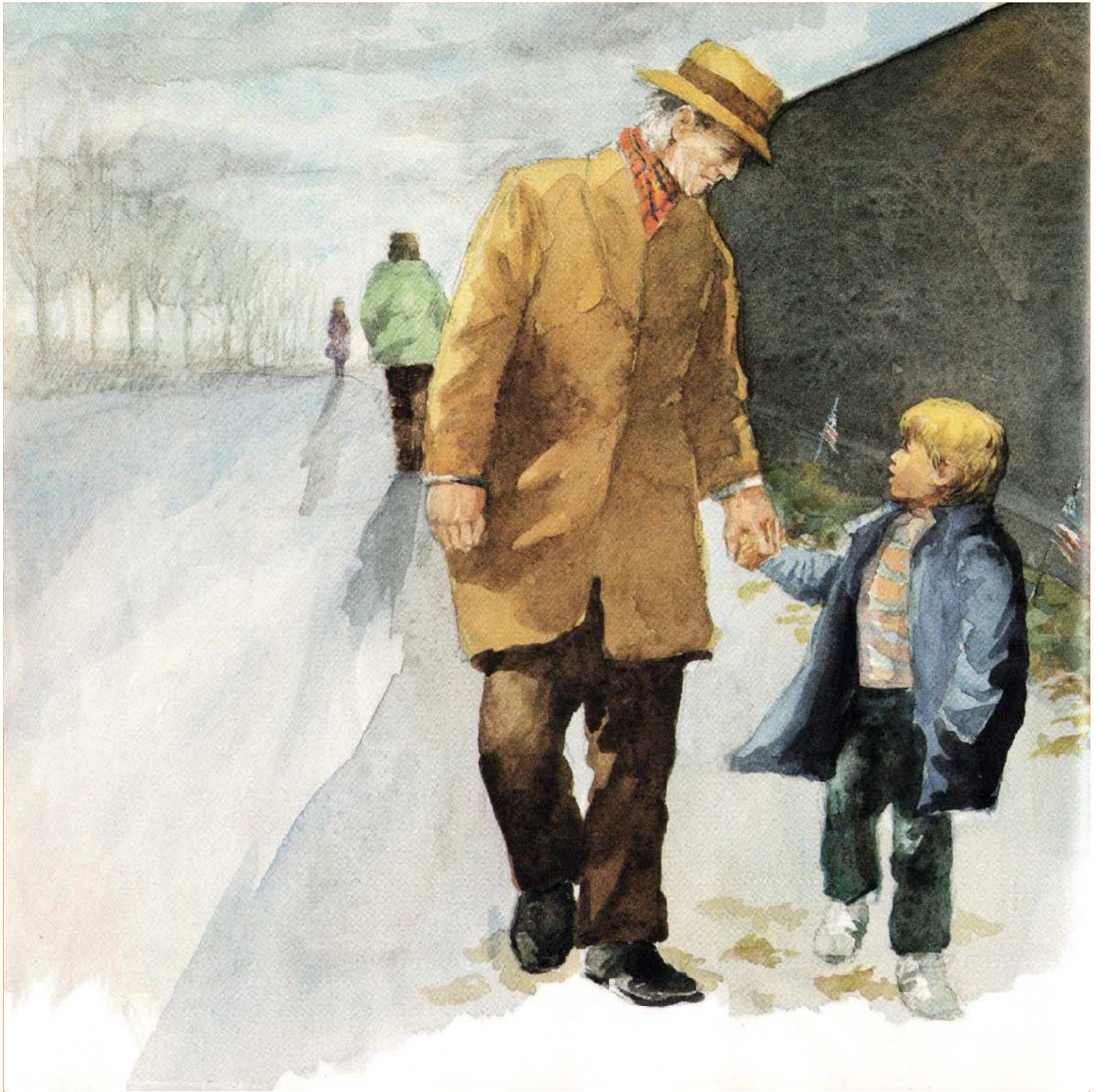
We've brought paper. Dad puts it over the letters and rubs on it with a pencil so the paper goes dark, and the letters show up white.

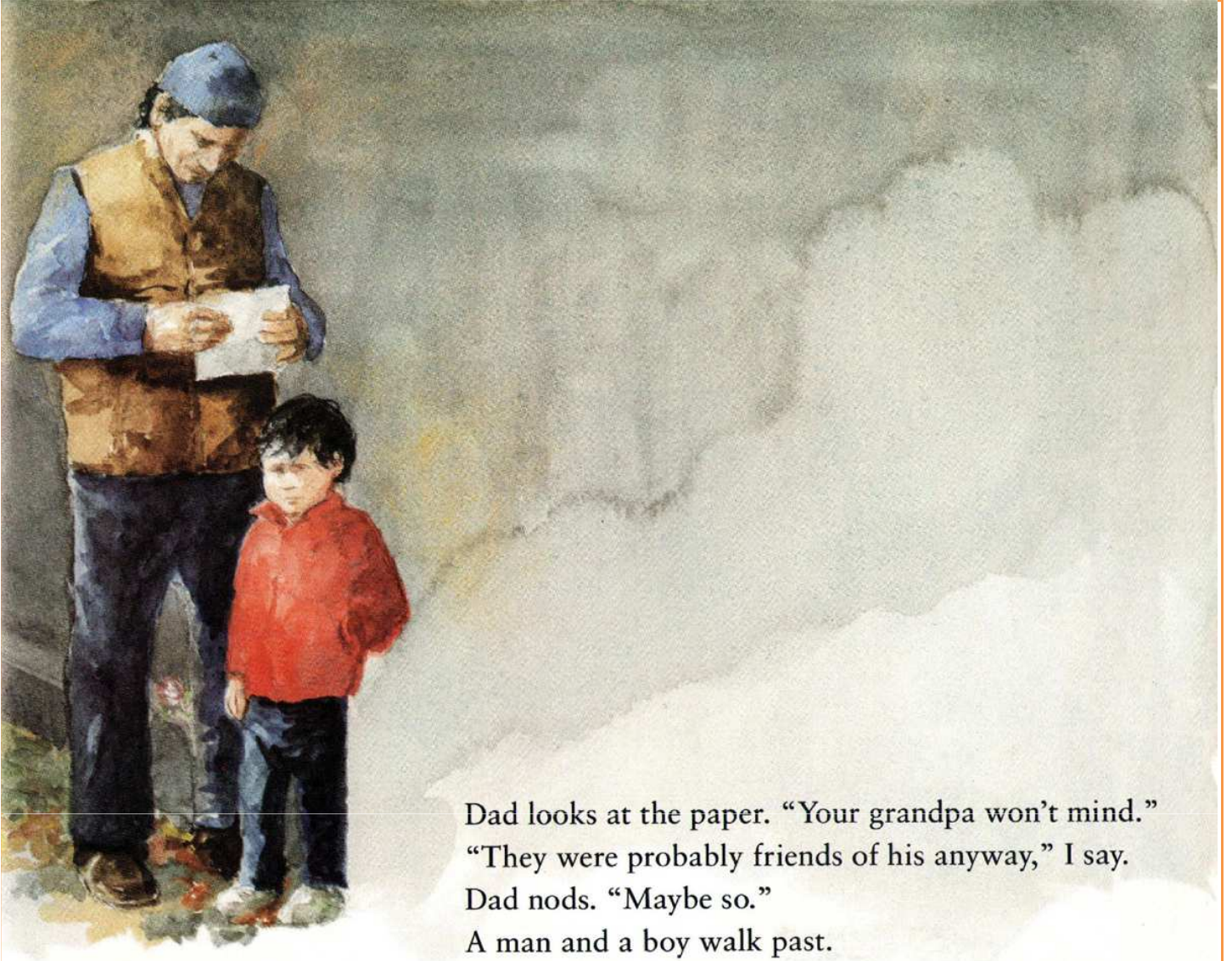
"You've got parts of other guys' names on there, too," I tell him.



हम अपने साथ कागज़ लाये हैं. पिताजी कागज़ को उन खुदे अक्षरों पर रखते हैं और फिर कागज़ के ऊपर हलके-हलके पेंसिल की नोक रगड़ते हैं. धीरे-धीरे कागज़ काला होता है और उसमें से सफ़ेद अक्षर उभरने लगते हैं.

"आपके कागज़ पर कुछ और लोगों के नाम भी आ गए हैं," मैं पिताजी से कहता हूँ.





Dad looks at the paper. "Your grandpa won't mind."
"They were probably friends of his anyway," I say.
Dad nods. "Maybe so."
A man and a boy walk past.
"Can we go to the river now, Grandpa?" the boy asks.
"Yes." The man takes the boy's hand. "But button your jacket. It's cold."

पिताजी कागज़ को देख कर कहते हैं. "तुम्हारे दादाजी को इससे कोई ऐतराज़ नहीं होगा."

"वो शायद दादाजी के दोस्त ही हों," मैंने कहा.

पिताजी ने सहमति में सर हिलाया. "शायद हाँ."

तभी एक आदमी और लड़का मेरे सामने से गुज़रे.

"क्या अब हम नदी तक जा सकते हैं, दादाजी?" लड़के ने अपने दादाजी से पूछा.

"हाँ." उस आदमी ने लड़के का हाथ पकड़ते हुए कहा, "पहले अपनी जैकेट के बटन बंद करो क्योंकि अब ठण्ड बढ़ रही है."





My dad stands very still with his head bent.

A bunch of big girls in school uniforms come down the path. Their teacher is with them. They are all carrying more of those little flags.

“Is this wall for the dead soldiers, Miss Gerber?” one of them asks in a loud voice.

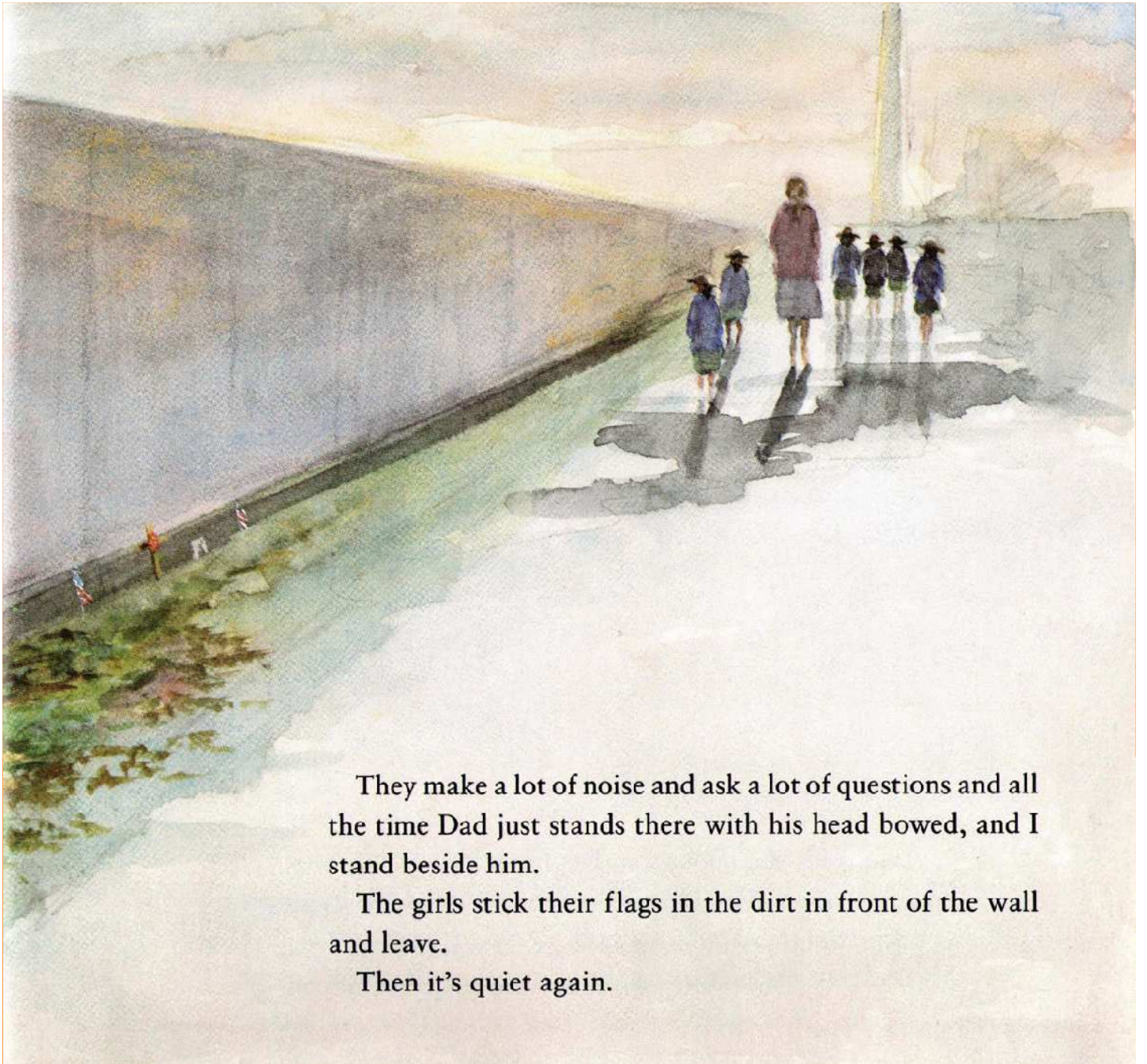
“The names are the names of the dead. But the wall is for all of us,” the teacher says.

मेरे पिताजी बिलकुल शांत खड़े हैं और उनका सर झुका है।

कुछ देर में स्कूल की यूनिफार्म पहने कई बड़ी लड़कियां हमारे सामने से गुज़रती हैं। उनके साथ उनकी टीचर भी है। उन लड़कियों के हाथों में वैसे ही कई छोटे-छोटे झंडे हैं। “मिस जरबर, क्या यह दीवार शहीद सैनिकों की याद में बनाई गई है?” उनमें से एक लड़की ऊंची आवाज़ में पूछती है।

“इस दीवार पर जो नाम खुदे हैं वो मृत सैनिकों के हैं। पर यह दीवार हम सभी के लिए है,” टीचर उत्तर देती है।





They make a lot of noise and ask a lot of questions and all the time Dad just stands there with his head bowed, and I stand beside him.

The girls stick their flags in the dirt in front of the wall and leave.

Then it's quiet again.

वो लड़कियां काफी शोर मचाती हैं और तमाम सवाल पूछती हैं. पर इस पूरे दौरान पिताजी शांत, सर झुकाए खड़े रहते हैं. मैं पिताजी के पास खड़ा रहता हूँ.

लड़कियां अपने-अपने झंडे दीवार के सामने ज़मीन में गाढ़ देती हैं और फिर वहां से चली जाती हैं.

उसके बाद फिर से माहौल में सन्नाटा छा जाता है.



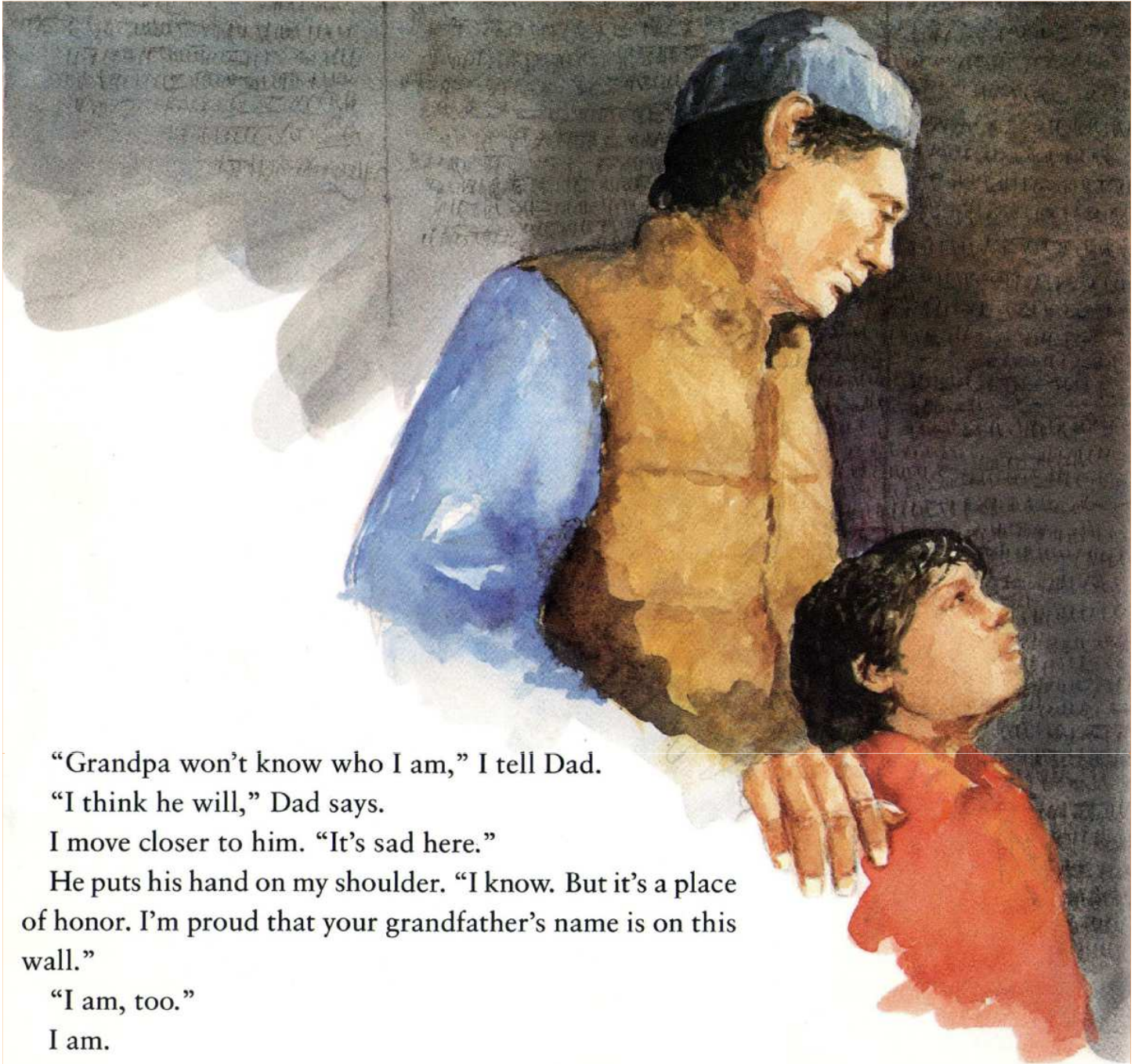
Dad folds the paper that has Grandpa's name on it and puts it in his wallet. He slides out a picture of me, one of the yucky ones they took in school. Mom made me wear a tie. Dad puts the picture on the grass below Grandpa's name.

जिस कागज़ पर दादाजी का नाम अंकित था उसे पिताजी सम्भाल कर अपने पर्स में रखते हैं. फिर वो पर्स में से मेरा एक फोटो निकलते हैं, जो कभी स्कूल में लिया गया था. उस चित्र में माँ ने मुझे टाई पहनने के लिए मजबूर किया था. पिताजी उस फोटो को दादाजी के नाम के नीचे घास पर रख देते हैं.



It blows away.
I get it and put it back and pile some little stones on top.
My face smiles up at me from under the stones.

फोटो, हवा में उड़ता है.
मैं फोटो को उठा कर लाता हूँ और उसके ऊपर कुछ
छोटे पत्थर रख देता हूँ.



“Grandpa won’t know who I am,” I tell Dad.

“I think he will,” Dad says.

I move closer to him. “It’s sad here.”

He puts his hand on my shoulder. “I know. But it’s a place of honor. I’m proud that your grandfather’s name is on this wall.”

“I am, too.”

I am.

“में कौन हूँ? यह दादाजी को पता ही नहीं होगा,” मैं पिताजी से कहता हूँ.

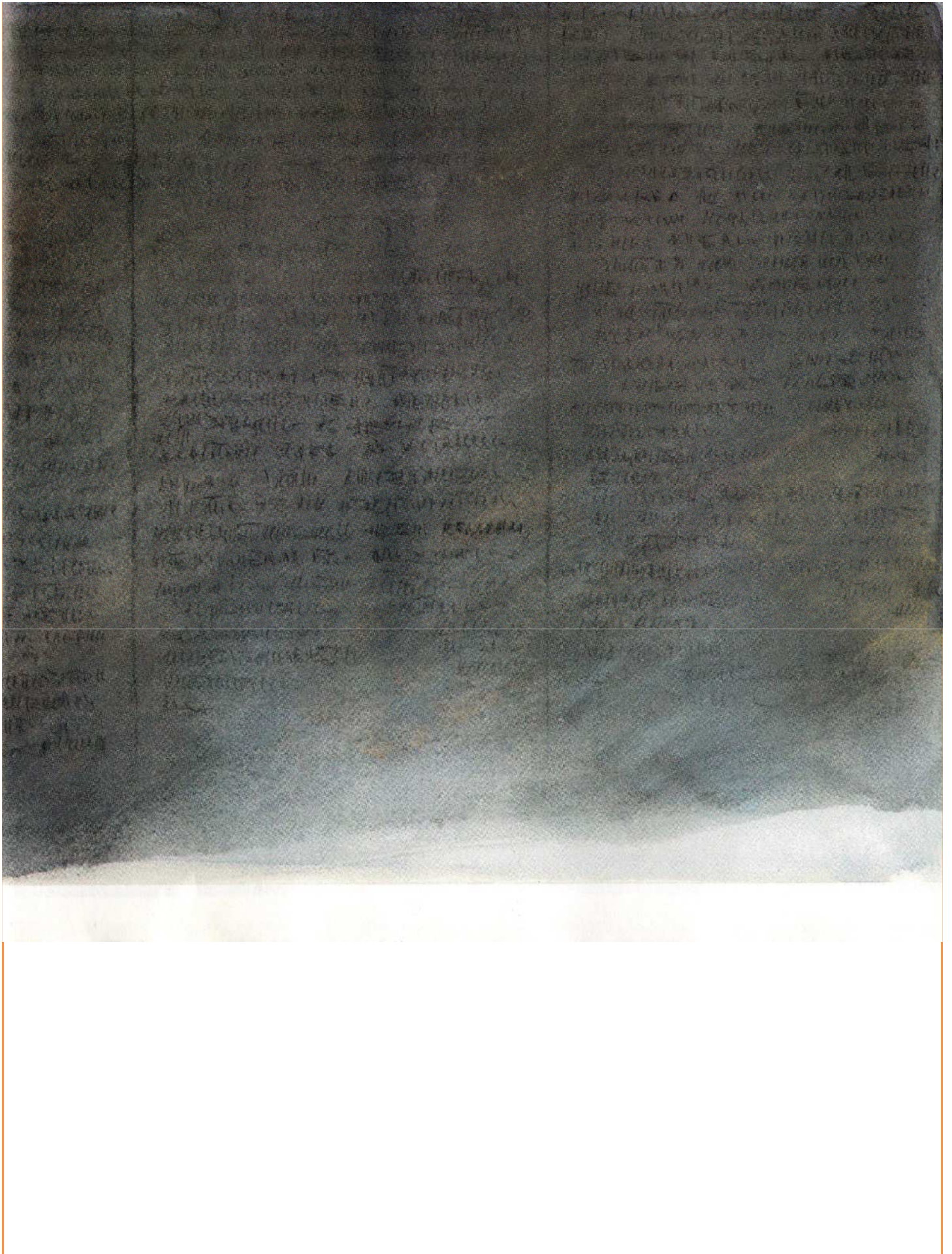
“मुझे लगता है उन्हें पता होगा,” पिताजी ने उत्तर दिया.

मैं पिताजी के बहुत करीब आ जाता हूँ. “यह जगह बहुत उदास है.”

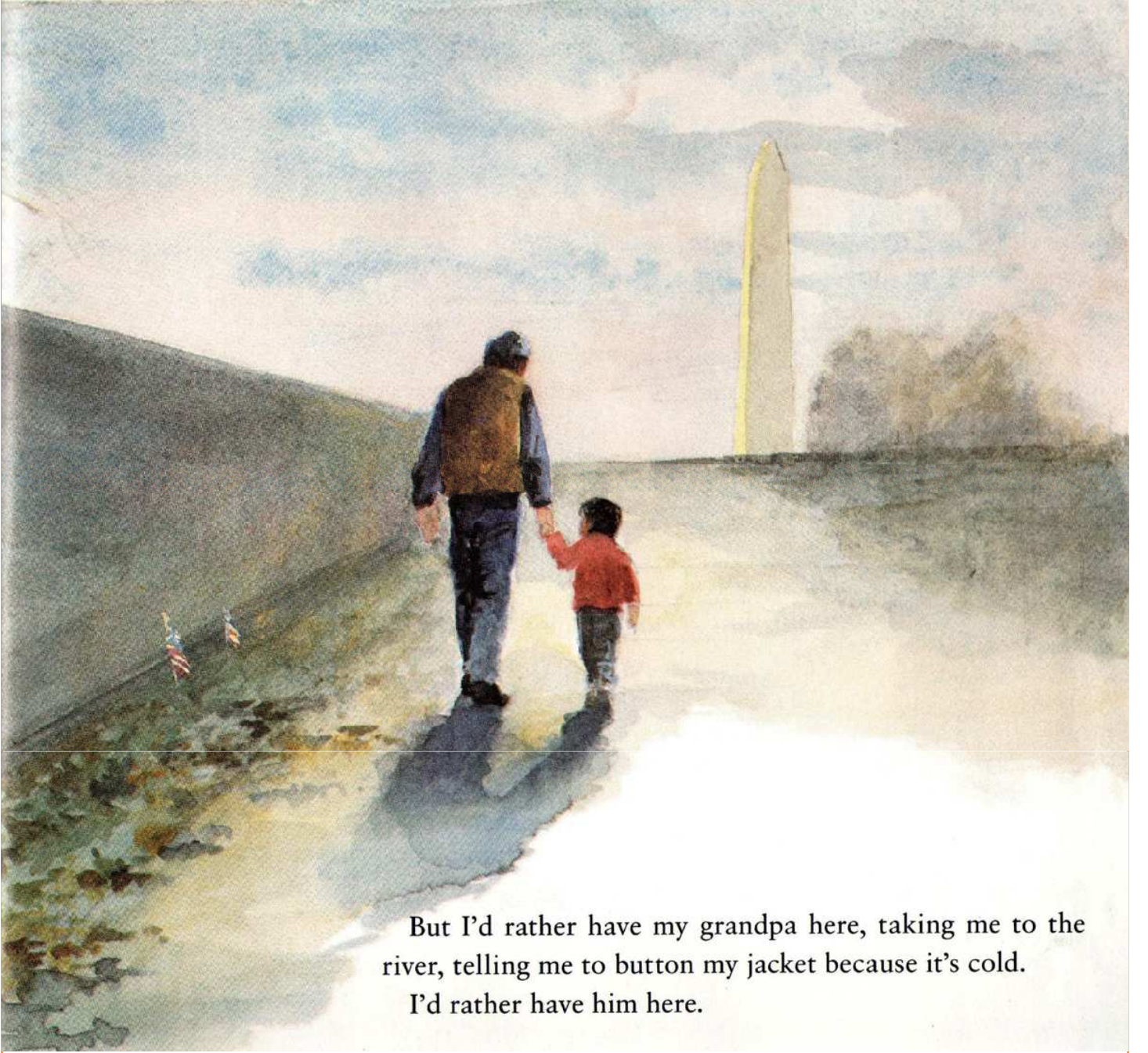
पिताजी ने अपने हाथ को मेरे कंधे पर रखा. “मुझे पता है. पर यह जगह आदर और सम्मान का स्थान भी है. मुझे इस बात का गर्व है की तुम्हारे दादाजी का नाम इस दीवार पर अंकित है.”

“मुझे भी,” मैंने उत्तर दिया.

और वाकई मैं मुझे इस बात का फ़ख़्र था.







But I'd rather have my grandpa here, taking me to the river, telling me to button my jacket because it's cold. I'd rather have him here.

पर कितना अच्छा होता अगर दादाजी यहाँ मेरे पास होते और मुझे नदी तक ले जा रहे होते. कितना अच्छा होता अगर वो मुझसे ठण्ड की वजह से जैकेट का बटन बंद करने को कहते. काश, वो यहाँ मेरे पास होते.

NOTE

The Vietnam Veterans Memorial honors the men and women of the armed forces of the United States who served in the Vietnam War. On it are listed the names of those who gave their lives.

The Memorial is located in Washington, D.C. On the wall are more than 58,000 names, and other names are constantly being added as the remains of those “missing in action” are found.

नोट

वियतनाम दिग्गजों का शहीद स्मारक उन फौजियों का सम्मान करता है जिन्होंने वियतनाम युद्ध में भाग लिया था. इस सूची में उन लोगों का नाम दर्ज है जिन्होंने इस जंग में अपनी जान न्योछावर की थी.

यह स्मारक वाशिंगटन डी. सी. में स्थापित है. उसकी दीवार पर 58,000 लोगों के नाम दर्ज हैं. जैसे-जैसे अन्य शहीदों का पता चलता है तो उनके नाम भी उस सूची में लगातार जोड़े जाते हैं.

